

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के सिमसोत गांव निवासी बसंत गांव की 26 वर्षीय पर्सी सीमा देवी को गुरुवार की शाम को विषेश सर्प ने डंस लिया। जिससे एक बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में परिजन ने इलाज के लिए तकाल हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जाता है कि महिला पूसं के छपर के नीचे खड़ी थी। अबाकर पर्स उसके शरीर पर गिरने के बाद उसे डंस लिया। औन डूरी मोजद विकिटस्क के अनुसार उसे स्कारबाइट की इंजेक्शन दिया गया है। स्थिति में बेहतर सुधार होने की बात कही जाती है।

आदिवासियों के हक को दिलाने में कभी पीछे नहीं हटेंगे : जायसवाल

सगानीम। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता पांकी विधान सभा के नेता ओकार नाथ जायसवाल ने करमा पूजा के अवसर पर पांकी विधान सभा के महाराष्ट्र, केंद्रीय, राजांदी, बिहार, राजस्थान समेत कई जांचों पर पूजा कर्मियों की निर्माण पर शामिल हुए और पूजा की द्वारा में भी पूजा कर्मियों की निर्माण पर शामिल हुए। इस अवसर पर श्री जायसवाल ने कहा कि इस विधान सभा में आदिवासी यात्रियों को केवल देकर ठगने का प्रयास इस विनाय सभा के जटिलतिनिधि ने किया है। जबकि जो मूल भूत समस्या पर ध्यान नहीं दिया है। यह चिंता का विषय है। लेकिन हम निकल चुके हैं अब लोगों को जागरूक करेंगे। इन्होंने कार्यकारी भाइयों को ठगनेवालों को इस विधान सभा से बाहर भेजेंगे। मौके पर कर्मियों के लोगों ने जायसवाल का जमकर खाया दिया। इस अवसर पर उत्तम गुण, ऊर्जान जी, महाराष्ट्रीय हासन, कृष्ण यात्रा, विदेशी यात्रा, गुरुद्वारा सुरत उत्तम, भारतीय जी, नांदें युरान, अखिलेश उत्तम, अरुण महता समेत बड़ी संख्या ने लोग शामिल थे।

विकास कार्यों पर पाटन मंडल अध्यक्ष ने जर्ताई खुशी

पाटन। भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पाटन छारपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक पृथग देवी के द्वारा विकास की एक लम्ही खुशी जा रही है। जिसका प्रभाना अनेक वाली समर्थन में दिखाई देंगे। भाजपा पाटन के मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि विधायक के द्वारा किया जा रहा विकास कार्य जनरातीर्थ में है। इसके लिए विधायक धर्यावाद के पात्र हैं श्री सिंह ने बाहर देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में यहीं फर्क है। भाजपा कठीनी में नहीं करनी में विश्वास करती है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य करती है।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

मेदिनीगढ़। हर्या के एक मामले में फरार चल रहे अभियुक्त के घर हुसैनाबाद की पुलिस ने गुरुवार को इस्तेहार चिपका कर आगामी की अभियुक्ती पर लाभान्वयन कराया। भाजपा पाटन के मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा विधायक के पात्र हैं श्री सिंह ने बाहर देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में यहीं फर्क है। भाजपा कठीनी में नहीं करनी में विश्वास करती है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य करती है।

दुर्गाबाड़ी पूजा समिति के अध्यक्ष बने अजय कुमार

हुसैनाबाद। फरार के देवी गोद स्थित दुर्गाबाड़ी परिसर में दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में दुर्गा पूजा धूमधारा से मानने को लेकर विचार विश्वास किया गया। दुर्गा को शारीर पूर्वक संचालन के लिए कर्मियों का पुरुषांगदंत किया गया। जिसमें सर्वसमिति से पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह गांव को संचालक, अधिकारी उपायकारी, नायर अध्यक्ष शशी कुमार, लखनेदेव सिंह, अविवाहित विधायक के सदस्यक, अजय कुमार, रिंगों के अध्यक्ष, कुमार कुमार सिंह, श्यामा प्रसाद विश्वकर्मा व अखेलग यादव को उपायक, पंकज कुमार विश्वकर्मा को संचित, राजेश श्रीवास्तव व विकात सिंह को कोषधायक, सुजीत आदि को संक्रिय सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतुरपुर। नगर पंचायत में व्यापक भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के खिलाफ कार्यालय बने गए।

नवीन मेल संवाददाता चतु

सम्पादक की कलम से...

अभयारण्य में पुलिस दबिश

झारखण्ड में माओवादियों के खिलाफ पुलिस व सुरक्षाबलों का चौतरफा अभियान जारी है। बूढ़ापहाड़ से लेकर ट्राइजंक्शन और सारंडा तक अभियान शुरू हो गया है। लैंडमार्क्स के साथ गोलियां भी बरामद हुई हैं। झारखण्ड में भाकपा माओवादियों के खिलाफ पुलिस व सुरक्षाबलों का चौतरफा अभियान जारी है। पुलिस ने एक साथ माओवादियों के खिलाफ बूढ़ापहाड़ से लेकर माओवादियों के ट्राइजंक्शन और सारंडा तक अभियान शुरू किया है। सारंडा में भाकपा माओवादियों का ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो का हेडक्वार्टर चलता है। इस इलाके में पुलिस ने सुरक्षाबलों के साथ अभियान शुरू किया है। एक प्रकार से देखा जाये तो आने वाले दिनों में इनका सफाया निश्चित है। अपनी करनी और लेवी के पैसे की वजह से यह संगठन अंतिम सांसे लेने को विवश नजर आ रहा है। आखिर, आतंक का अंत इसी प्रकार होता है। ग्रामीणों के साथ किये गये वादे खिलाफी के कारण इन्हें कहीं जगह नहीं मिल रही हैं। दूसरी तरफ पुलिस को हर जगह से इन्हें समाप्त करने की मुहिम में साथ मिल रहा है। यही कारण है कि राज्य पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक, ईआरबी की कमान फिलहाल एक करोड़ के इनामी माओवादी व पोलिट ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा के हाथों में है। मिसिर बेसरा के मारक सदस्यों की योजना टोन्टो, पोडाहाट इलाके में वारदात को अंजाम देने की थी। ऐसे में माओवादियों के 25 लाख के इनामी अजय महतो, करमचंद उर्फ मोछू के नेतृत्व में 20-22 सशस्त्र पार्टीमिंटरों का उत्तर बांधे थे। एक अधिकारी ने

अडानी की संपत्ति व अमीरों की सूची में उनका तेजी से ऊपर जाना पहली बार खबरों में नहीं था। इससे पहले इसी साल फरवरी में खबर आई थी कि उन्होंने संपत्ति के मामले में भारत के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, कुछ ही दिनों के बाद फिर मुकेश अंबानी इस सूची में वापस शिखर पर पहुंच गये। यह कोई हैरतअंगेज बात भी नहीं थी, क्योंकि अमीरों की सूची में ऊपर-नीचे होने का आधार शेयर बाजार में इनके शेयरों की कीमत ही होती है। इसलिए अगर दो लोगों की संपत्ति में कुछ ही फर्क रह गया हो, तो फिर इस तरह कभी कोई ऊपर तो कभी नीचे चलता है।

बी ते हफ्ते की सबसे ब
खबरों में से एक थी- भाव
व एशिया के सबसे अमीर इंसान
गौतम अडानी का दुनिया के अमीर
की सूची में तीसरे स्थान पर पहुं
जाना। खबर आई कि उन्होंने बिं
गेट्स को पीछे छोड़ने हुए अब फ्रै
फैशन ब्रांड लुई विंटों के मुख्य
को पछाड़कर यह मुकाम हासिल
किया है। जिस दिन यह खबर
आई, उस दिन बताया गया था
गौतम अडानी की संपत्ति 13
अरब डॉलर हो गई है और 3
दुनिया में सिर्फ दो लोग हैं, उन्हें
उनसे ज्यादा अमीर हैं। ये थे, टेस्ट
के सीईओ एलन मस्क (25
अरब डॉलर) और एमेजॉन
जेफ बेजोस (153 अरब डॉलर)
कहा यह भी जा रहा था कि इन
रप्तार से बढ़ते रहे, तो अडानी
जल्दी ही जेफ बेजोस को पछाड़कर
दूसरे नंबर पर पहुंच जायेंगे। अडानी की संपत्ति
अमीरों की मर्जी में उनका तेज़ी

ऊपर जाना पहली बार खबरों
नहीं था। इससे पहले इसी से
फरवरी में खबर आई थी
उन्होंने संपत्ति के मामले में भी
के सबसे अमीर आदमी मुझे
अंबानी को पीछे छोड़ दिया
हालांकि, कुछ ही दिनों के बाद
फिर मुकेश अंबानी इस सूची
वापस शिखर पर पहुंच गये।
कोई हैरतअंगज बात भी नहीं
क्योंकि अमीरों की सूची में उन्हें
नीचे होने का आधार शेयर बाजार
में इनके शेयरों की कीमत ही है
है। इसलिए अगर दो लोगों
संपत्ति में कुछ ही फर्क रह गया
तो फिर इस तरह कभी कोई उत्तर
तो कभी नीचे चलता है। पिछले
छह महीनों में दो-तीन बार
ऊपर नीचे का सिलसिला चला
हैरतअंगज बात यह है कि 30
को जब मुकेश अंबानी ने पिछली
बार गौतम अडानी को पीछे छोड़ा
तब उनकी संपत्ति थी 99.7 अरब

की संपत्ति थी, इससे बस अरब डॉलर कम, यानी 9 अरब डॉलर, जबकि ब्लू बिलियनेयर इंडेक्स के अनु 2020 की शुरूआत में मुं अंबानी की संपत्ति 59 अरब डॉलर अडानी की संपत्ति सिर्फ अरब डॉलर थी। यह आंकड़े जनवरी, 2020 का है। केवल महामारी के प्रकोप से ठीक पर्याप्त यानी अडानी की संपत्ति में बढ़त का असली सिलसिला दूर बाद शुरू हुआ। इसी साल जून के बाद से उनकी संपत्ति में अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़त हो चुकी है। यह रफ्तार कितनी भी है, इसका अंदाजा लगाना हो गया। यह समझिए कि जिस दिन ब्लू बिलियनेयर ने अडानी को दुनिया में तीसरे सबसे अमीर बताया, उस दिन उनकी संपत्ति 137 अरब डॉलर आंकड़े थी। लेकिन इसके तीन ही दिन शुक्रवार को यह लिखे जाने वाले प्रॉफर्न्यू प्रियल टाइम लिंग्विस्ट

इंडेक्स में गौतम अडानी की संपत्ति दस अरब डॉलर बढ़कर 147 अरब पर पहुंच चुकी थी। यानी एक ही दिन में तीन अरब डॉलर से ज्यादा का उछाल। वैसे ध्यान रहे, अमीरों की सूची बनाने का काम मोटे तौर पर शेयर बाजार का ही कमाल है, व्योंगि इसमें इन लोगों की सूचीबद्ध कंपनियों में इनकी हिस्सेदारी के बाजार भाव को ही जोड़ा जाता है। शायद इसीलिए अडानी की संपत्ति का इस तेजी से बढ़ता कोई आश्वय नहीं है। अडानी समूह की कुल सात सूचीबद्ध कंपनियां हैं और इनके शेयरों में 100 प्रतिशत से लेकर 1,000 प्रतिशत से ज्यादा तक का उछाल पिछले दो साल में आया है। अमीरों की इस सूची में एक और खास बात है। मुकेश अंबानी अभी भले ही अडानी से काफी पिछले दिख रहे हों, लेकिन ब्लूमबर्ग के मुताबिक, दुनिया के दस बड़े अमीरों में अटानी के अलाला तीव्र अकेले हैं, जिनकी संपत्ति इस साल बढ़ी है। बाकी सभी की दौलत में कोरोना ने संघ लगा दी। कहीं कम, कहीं ज्यादा। इसका एक पक्ष और भी है। भारत में कुछ कंपनियों का जिस तेजी से कारोबार फैल रहा है, उसी तेजी से सवाल भी बढ़ रहे हैं। इस वक्त का सबसे बड़ा सवाल कर्ज को लेकर है। फिच रेटिंग की सहयोगी फ्रेंडिसाइट्स ने एक रिपोर्ट में चेतावनी भी दी है कि हालात बहुत बिगड़े, तो कर्ज पर डिफॉल्ट का डर भी हो सकता है। यह खतरा काफी गंभीर लगता है, खासकर यह देखते हुए कि रिलायंस इंडस्ट्रीज 2020 में ही खुद को कर्जमुक्त घोषित कर चुकी है, लेकिन बताने वाले मार्च 2022 में भी उस पर लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज बता रहे हैं। उधर अडानी समूह पर कर्ज का आंकड़ा लगभग दो लाख बीस हजार करोड़ रुपये बताया जाता है।

■ आलाक जाशा

10 साल में जर्मनी, जापान से आगे होगा भारत

यह एक तरह का प्राकृतिक न्याय हो है। इन आजादी के 75वें साल में भारतीय अर्थव्यवस्था, अपने औपनिवेशिक शासक रहे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। यह खबर खुश करती है, लेकिन सोचने और चिंता करने की बात भी है। खुशी इसलिए कि आजादी के बाद इन 75 सालों में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। इसे कुछ बिंदुओं के जरिये आसानी से समझा जा सकता है। 1947 में भारत की जीडीपी का आकार 2.7 लाख करोड़ था, जोकि 87 गुना से ज्यादा बढ़कर वर्ष 2021-22 में 236.65 लाख करोड़ हो गई है। भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी जो 1950 में लगभग 265 रुपये थी, वह 486 गुना बढ़कर 1.28 लाख रुपये तक पहुंच गई है। भारत की यह कामयाबी इस मायने में भी चमकदार है कि उसने यह छलांग ब्रिटिश साम्राज्यवादी लूट से पैदा हुई गरीबी, भूख, अशिक्षा, बीमारी और देश-विभाजन जैसी गंभीर चुनौतियों के बीच एक सर्वेधानिक-लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में लार्वा है। जबकि अनेकों नव-स्वाधीन देश इस दौरान भयानक गह-युद्ध, क्रूर सैनिक तानाशाही और अर्थिक-सामाजिक तबाही से गुर्जरहैं। ब्रिटेन की औपनिवेशिक गुलामी और लूट ने सोने की चिंदिया कहे जाने वाले भारत को पौने दो सौ सालों में दरिद्र बना दिया था। अर्थसांस्कृति उत्सा पटनायक के आकलन के मुताबिक, ब्रिटिश साम्राज्य ने लगभग पौने दो सौ सालों के आपनवाशक राज में भारत का सपदा से लगभग 45 खर्ब डाल के लूट की। लूट की यह रकम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद भारत की कुल जीडीपी के 12 गुने से ज्यादा है और प्रतीकात्मक है कामयाबी : फिर भी इस कामयाबी से बहत खुश होने की जरूरत नहीं है। यह कामयाबी प्रतीकात्मक ज्यादा है और उसमें साकम है। असल में, आंकड़े कई बार पूरी सचाई बयान नहीं करते उदाहरण के लिए जीडीपी के आकार के मामले में भले भारत दुनिया के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में वह दुनिया के 194 देशों के बीच 144वें स्थान पर है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ब्रिटेन की आबादी सिर्फ 6.85 करोड़ है जबकि भारत की आबादी 1.4 अरब है जो ब्रिटेन की आबादी के 20 गुने से भी ज्यादा है। लेकिन जीडीपी के मामले में भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन से 20 गुना ज्यादा बड़ी नहीं है, बल्कि उसने अब थोड़ी बढ़ा बनाई है। दूसरी बात यह कि अर्थव्यवस्था के आकार में ब्रिटेन से बड़ा होने का मतलब यह नहीं है कि भारत, ब्रिटेन की तरह विकसित और अमीर देश बन गया है। ब्रिटेन और उस जैसे विकसित देशों में उनके आम बांधिंदों के उच्च जीवन स्तर और शिक्षा, स्वास्थ्य आदि मानविकास के अधिकांश सूचकांकों के मामले में भारत अभी बहुत पीछे है

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम् अथ प्रथमोऽध्यायः

व्यासजी बोले- देवताओंसे ऐसा कहकर वे भगवती
अत्यन्त उच्च स्तरमें हैं पापड़ी । [वे बोली-] इस संसारमें यह बड़ी
तिचिन्ह बात है कि यह सारा जगत् ही भ्रम तथा मोहसे ग्रसित है ।
ब्रह्मा, विष्णु, शिव इन्द्र आदि तथा अन्य देवता भी महिषासुरसे
भयमीठ होकर कांपने लगते हैं ॥ 32-33 ॥

हे श्रेष्ठ देवताओ! दैवबल बड़ा ही भयानक और दुर्जय है।
 काल ही सुख और दुःखका कर्ता है। यही साबकग प्रभु तथा ईश्वर है। सृष्टि, पालन तथा संहार करनेमें समर्थ रहते हुए भी वे ब्रह्मा आदि मोह-ब्रह्म हो जाते हैं, कप्त भोगते हैं और महिषासुरके द्वारा सताये जाते हैं॥ 34-35 ॥

ज्ञस अद्भुत शब्दोको सनकर, पृथ्वी कांपने लगी।

उत्त अद्युनुत चालवका सुनकर पृथ्वा कापन लगा,
 सभी पर्वत चलायमान हो उठे और अगाध महासमुद्रमें विश्वेभ
 उत्पन्न होने लगा। उस शब्दसे सुमेरुपर्वत हिलने लगा और
 सभी दिशाएं गूंज उठीं। उस तीव्र ध्वनिको सुनकर सभी दानव
 भयभीत हो गये। सभी देवता परम प्रसन्न होकर ‘आपकी जय
 हो’, हमारी रक्षा करो’ - ऐसा उन देवीसे कहने लगे ॥ 36-37 ॥

अभिमानने चूर महिषासुर भी वह धनि सुनकर कृद्ध हो उठा । उस धनिसे सशक्ति महिषासुरने देख्यों से पूछा- यह कैसी धनि है? इस धनिके उद्गम-स्थलको जानके लिये दूरगण तत्काल याहंसे जाय। कानोंको पीड़ा पहुंचानेवाला यह अति भीषण शब्द किसने किया है? देवता या दानव जो कार्ह मी इस धनिको उत्पन्न करनेवाला हो, उस दुष्टान्माको पकड़कर मेरे पास ले आयें। ऐसा गर्जन करनेवाले उस अभिमानके मरणे उनमति दुराचारीको मैं मार डालूँगा। मैं क्षीण-आयु तथा मन्दबुद्धिवाले उस दुष्टको अभी यमपुरी पहुंचा दूँगा । देवता मुहुसे पराजित होकर भयमीत हो गये हैं, अतः वे ऐसा गर्जन कर ही नहीं सकते। दानव वी ऐसा नहीं कर सकते; क्योंकि वे सब तो मेरे अधीन हैं, तो फिर यह मूर्खतापूर्ण चेष्टा किसकी हो सकती है? अब दूरगण इस शब्दके कारणका पता लगाकर मेरे पास शीघ्र आयें। तत्पश्चात् मैं सबंयं वहाँ जाकर ऐसा व्यर्थ कर्मी

कर्णवाल उस पापीका वध कर दूँगा ॥ 38-44 ॥

व्यासीं बोले- महिषासुरके ऐसा कहनेपर वे दूत [शब्दक कारणका पता लगाते-लगाते] समस्त सुन्दर अंगोवाली, अठरह भजाओवाली, दिल्लि विग्रहमयी, सभी प्रकारके आभूषणोंसे अलंकृत, सम्पूर्ण शुभ लक्षणोंसे सम्पन्न, उत्तम आयुध धारण करनेवाली और हाथमें मधुपात्र लेकर बार-बार उसका पान करती हुई भगवतीके पास पहुंच गये। उन्हें देखकर वे भयभीत हो गये और व्याकुल तथा सशक्तिकृत होकर वर्णसे भाग चले।

महिषासुरके पास आकर वे उससे धनिका कारण बताने लगे ॥ 45-47 ॥
 दूत बोले- हे दैत्येन्द्र! वह कोई प्रौढ़ स्त्री और देवीका माति दिखायी
 देती है। उस लड़ीके सभी अंगोंमें आभृष्ण विघ्मान हैं तथा वह सभी प्रकारके
 रक्षासे सुमोभित है। वह लड़ी न तो मानवी है और न तो आसुरी है।
 दिव्यविग्रहवाली वह लड़ी बड़ी मनोहर है। अठारह मुजाओंवाली वह श्रेष्ठ नारी
 नानाविध आरुध धारण करके सिंहपर विराजमान है। वही स्त्री गर्जन कर
 रही है। वह मदोन्नत दिखायी दे रही है। वह निरन्तर मध्यापन कर रही है।
 हमें ऐसा जात पहुंचा है कि तक अभी निवाहित लड़ी है। ॥ 48-50 ॥

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਇ ਕਹ ਵੇਂ ਅਜੋ ਪ੍ਰਭਾਤੀ ਨੇਵੀ ॥ 48-50 ॥

संपादक के नाम पाठकों की पाती फृत्पाथ की दक्षानें सुशारी हो

बदलते दौर में शिक्षकों का नये सिरे से करना होगा मल्यांकन

साथी दुकानेसप्टैंटी, घड़ा की दुकानेजों का एक गर निगम दोगी। साथी सामग्री ली जाती हटा दिया गा काल में ज शहर से मना करना के माध्यम विक्रेताओं से दुकान जगहों पर एक जगह जी सामग्री बने, तब उन्होंने खुद यह सुझाव दिया कि उनका जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाय। हर साल 5 सिंतंबर को देश के तमाम स्कूल-कलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया भी जाता है। मगर क्या हम डॉ. राधाकृष्णन की कल्पना के अनुरूप शिक्षकों और उनके पेशे को वर्षों बाद भी वह सम्पादन दे पाये हैं, जो उनको मिलाना चाहिए था? चौथी औद्योगिक क्रांति हमारा दरवाजा खतखटा रही है, किंतु हमारी मौजूदा शिक्षा प्रणाली अब भी 18वीं सदी में हुई प्रथम औद्योगिक क्रांति से पैदा हुए रोजगार के ढाँचे के अनुरूप सचालित हो रही है। आज शिक्षक दिवस मनाते समय हमें गहराई से यह सोचना होगा कि क्या हमारे शिक्षण संस्थान इस चौथी औद्योगिक क्रांति के बारे में सजग व जागरूक हैं? हमारे नीति-नियंत्रणों, शिक्षकों व विद्यार्थियों को यह पता होना ही चाहिए कि वर्ष 2030 तक अधिकांश मौजूदा रोजगार खत्म हो जायेंगे और जो नये रोजगार पैदा होंगे, उनकी तैयारी के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम, उपकरण, शिक्षक और पढ़ाने के तौर-तरीके अभी हमारे पास उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, आज विश्व स्तर पर चौथी औद्योगिक क्रांति के अनुरूप 'शिक्षा 4.0' की बहुत चर्चा हो रही है, जिसे मोटे तौर पर चौथी शैक्षणिक क्रांति का नाम दिया जा सकता है। वर्ष 2020 का अधिकांश विद्यार्थियों ने लेखन स्तर तकीं बोने जा रहा, पर उनकी महत्ता और भूमिका में बड़े बदलाव जरूर आयेंगे। सबसे बड़ा बदलाव यह हो सकता है कि शिक्षा का काम सिर्फ व्याख्यान देकर ज्ञान बांटना न होकर युवा-पीढ़ी को एक कोच, मेटर या मित्र के रूप में भविष्य का रास्ता दिखाने का भी होगा। इसीलिए शिक्षक-दिवस को एक उत्सवधर्मी औपचारिकता न समझते हुए हमें यह सोचना चाहिए कि शिक्षक होने के क्या मायने और सरकार होते हैं? शिक्षकों के बारे में समाज की धारण पिछले 75 वर्षों में कैसे बदल गई, यह हमारे साहित्य और फिल्मों में शिक्षक पात्रों के चरित्र-चित्रण में देखा जा सकता है। 20वीं सदी के लेखकों, जैसे प्रेमचंद, शरत चंद्र, बर्किम चंद्र, रवींद्रनाथ टैगोर आदि ने अपनी रचनाओं में शिक्षकों को बहुत सकारात्मक रूप में चित्रित किया है। भारतीय फिल्में भी शुरुआत में आदर्श रूप में ही शिक्षकों को पेश करती रहीं। मगर पिछले दशकों से फिल्मों में शिक्षकों को कमोबेश एक हास्यास्पद चरित्र के रूप में पेश किया जा रहा है। भारतीय समाज ज्ञान-विज्ञान, चरित्र निर्माण, सामाजिक सद्व्यवहार व सामाजिक सरोकार जैसे मूल्यों में अपनी निष्ठा लगातार खो रहा है, जिससे भ्रष्टाचार, धनमलिप्ता और अवसरवादिता जैसे नकारात्मक मूल्य उस पर हाथी होते गये हैं। इस दौर में शिक्षकों की पेशागत प्रतिबद्धताओं में लगातार क्षण होते देखा गया है। स्थिति यह है कि देश के कई स्थानों में नवाचार से विरोध रखते होते हैं तथा विविध रूप सम्पादनों में 40-50

दिन भी पढ़ाई नहीं होती। आज उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की तादाद करीब 3.80 करोड़ बताइ जाती है। मगर इन विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए जरूरी संसाधनों की कमी भी दिखती है। कल्पना कीजिये, वर्ष 2030 तक उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या जब आठ करोड़ हो जायेगी, तब कैसा परिवर्त्य होगा? मानव संसाधन मंत्रालय की रिपोर्ट (2018) के अनुसार, इस समय देश में करीब 15 लाख शिक्षक कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 35 प्रतिशत शिक्षकों की जगह खाली पड़ी हुई है। साफ़ है, भारतीय समाज व सरकार को शिक्षकों की भूमिका का नए सिरे से मूल्यांकन करना होगा। शिक्षकों को भी आत्मालोचना करने की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया है कि शिक्षक हमारे राष्ट्र-निर्माता हैं। शिक्षकों को उच्चस्तरीय सम्मान व जीवन स्तर फिर से मिलाना चाहिए, ताकि सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं को शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया जा सके। क्या हम भारतीय समाज में उनको एक सम्मानजनक स्थान देने की स्थिति में हैं और क्या 21वीं सदी के ज्ञानोन्मुख समाज के लिए हम उन्हें नये सिरे से प्रशिक्षित और प्रेरित कर पायेंगे? इसके जवाब हमें खुद ही ढूँढ़ने होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

■ हारवश चतुर्वदा

डिवीजन, रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हृष्वद्वन्द्व बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हृष्वद्वन्द्व बजाज द्वारा मुद्रित रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13। प्रधान संपादक : सुरेश प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042 / 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ती हाईट्स, 886, दिल्ली कार्यालय : 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहेहार कार्यालय : रम्से सेनेटरी, मेन रोड, लोहेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा

वजन बढ़ाने के लिए कैसी होनी चाहिए दिनचर्या?



वजन बढ़ाने के लिए बड़े काम की हैं ये चमत्कारी जड़ी बूटियाँ

युवेंद में मेथी भी वजन बढ़ाने के

आलिए काफी अच्छी जड़ी-बूटी माना जाता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल को कम करने, कब्ज की समस्या दूर और रक्त में ग्लूकोज को काबू किया जा सकता है। इसके कायदे के लिए आप मेथी के बीजों का सेवन कर सकते हैं। जिस तरह से लोग बढ़ते वजन को लेकर परेशन रहते हैं, ठीक वैसे ही कह लो। ऐसे भी हैं जो वजन न बढ़ाने के कारण बेहद परेशन हैं। दुबलेपन से परेशन लोग तरब-तरब के तरीके भी अपनाते रहते हैं लेकिन इसके बाद भी उनका वजन है कि बढ़ने का नाम ही नहीं लेता है। हालांकि, सही जानकारी न होने पर उन तरीकों का कोई असर नहीं हो पाता है।

अश्वार्धा : आयुर्वेद में अश्वार्धा एक

बेहरीन जड़ी बूटी है, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। नियमित रूप से इसके सेवन करने पर भूख बढ़ती है, जिससे वजन बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा अश्वार्धा के सेवन से तनावमुक्त और ऊर्जावन बने रहने में भी मदद मिलती है। इससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत किया जा सकता है।

मेथी : आयुर्वेद में मेथी भी वजन बढ़ाने के लिए आपकी अच्छी जड़ी-बूटी माना जाता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल को कम करने, कब्ज की समस्या दूर और रक्त में ग्लूकोज को काबू किया जा सकता है। इसके कायदे के लिए आप मेथी के बीजों का सेवन कर सकते हैं।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अक्सर हम वजन घटाने की बात करते हैं और अधिकशक्ति लोग इसी मशक्कत में लगे रहते हैं किसी तरह वजन करते हो जाए। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए सही आहार से लेकर कर्सर तक सबकुछ करते हैं, लेकिन फिर भी उनकी बाड़ी नहीं बन पाते। ऐसे में वह जानना जरूरी है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं बन पाती। अक्सर हम वजन घटाने की बात करते हैं और अधिकशक्ति लोग इसी मशक्कत में लगे रहते हैं किसी तरह वजन करते हो जाए। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए असर नहीं हो पाता है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन स्वस्थ तरीके से बढ़ाना है इसलिए हमेसा हेल्दी फूड ही खाएं और जंक से दूर रहें।

कैलोरी, काबोर्डाइट और हेल्दी फैट है जरूरी है :

आपको हाई कैलोरी फूड लेने की जरूरत है जैसे- ग्रेनोला, मीटस, टोफू, फिश एवेकाडो, दूध, वीस और शकरकंद आदि। हेल्दी एक्सपर्ट के मुताबिक, दिन में कम से कम 3 बार काबोर्डाइट और फैट के लिए खाना खाना चाहिए। इससे आपकी खांसी और लचीली बनती है और आप पूरे दिन एनजीटीस महसूस करते हैं। एक्सरसाइज से एक्स्ट्रा फैट करने में तो मदद मिलती ही है साथ ही कुछ खाना तरह की एक्सरसाइज आपके शरीर को सुडौल बनाने में मदद करती है और वह नई कौशिकाओं के निमाण में भी मदद करती है।

खाने से पहले पानी न पीए : कुछ लोगों की

आदत होती है कि जैसे ही खाने बैठते हैं वह अपने एक ग्लास पानी पी लेते हैं। यदि आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो एसा बिल्कुल न करें, क्योंकि पानी पीने से भूख कम हो जाती है और आप कम भोजन करते हैं जिससे शरीर को जरूरी पानी नहीं पीने से अधे घंटे पहले पानी पीना अच्छा खिलौना है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी नहीं है। इससे आपको फूड और तली हुई बीजों पर टूट पड़ें। वह सहेत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

जंक और तरब-भुने भोजन से दूर रहें :

विशेषज्ञों ने प्रायोक्त तरब और कैलोरी नहीं मिल पाती। अपको वजन बढ़ाना है तो इसका मतलब यह है कि वजन बढ़ाने के लिए उनकी रसीदी

